

दानियेल की पुस्तक - संख्या पैंतीस

भविष्यवाणी की रूपरेखा का अनावरण: विलियम मिलर की अंतर्दृष्टि और आर्मगेडन की ओर ले जाने वाली तीन विनाशकारी शक्तियाँ

Jeff Pippenger

2023-12-30

1798 में, 'अंत का समय' में, दानियेल की पुस्तक—और विशेष रूप से ऊलाई नदी से संबंधित वह दर्शन—की मुहर खोली गई। उस दर्शन ने 22 अक्टूबर, 1844 को जांच-पड़ताल के न्याय के आरंभ की घोषणा की। वह पद जो उस सत्य का आधार बना, दानियेल की पुस्तक, अध्याय 8, पद 14 है। विलियम मिलर, वह दूत जिसे संदेश की मुहर खुलने की पहचान करने के लिए चुना गया था, उस दर्शन से संबंधित सभी सत्यों को पूरी तरह कभी नहीं समझ पाया, पर उसने जो कार्य उसे सौंपा गया था, उसे पूरा किया।

जब मिलर ने भविष्यवाणी के वचन का अध्ययन शुरू किया, तो उन्होंने भविष्यवाणी की व्याख्या के कुछ ऐसे नियम समझे जो स्वयं बाइबल के भीतर पहचाने और स्थापित किए गए थे। वे नियम संहिताबद्ध किए गए और 'विलियम मिलर के व्याख्या-नियम' के रूप में पहचाने गए। वे नियम प्रेरणा द्वारा अनुमोदित हैं और ऐसे नियमों के रूप में चिन्हित हैं जिनका उपयोग वे करेंगे जो रविवार के कानून के समय कार्यकारी न्याय के प्रारंभ की घोषणा करेंगे। मिलर ने बताया कि उन्होंने बाइबल का अध्ययन बाइबल की शुरुआत से आरंभ किया और जो वह तब विचार कर रहे होते थे उसे समझ लेने पर ही आगे बढ़ते थे। इस दृष्टिकोण से यह समझना आसान है कि समय-संबंधी भविष्यवाणियों में से जो पहली भविष्यवाणी मिलर ने पहचानी—जो उस संदेश से संबंधित थी जिसे वे 1844 में पूरा हुआ बताने वाले थे—वह लैव्यवस्था अध्याय 26 की 'सात बार' थी।

प्रेरणा हमें बताती है कि स्वर्गदूत गेब्रियल ने, अन्य पवित्र स्वर्गदूतों के साथ मिलकर, मिलर के मन का निर्देशन किया, जैसे गेब्रियल ने दानियेल, प्रकाशितवाक्य के द्रष्टा यूहन्ना और बाइबल के सभी भविष्यद्वक्ताओं के मनों का मार्गदर्शन किया था; क्योंकि वह कार्य, जिसे शैतान ने खो दिया था, गेब्रियल को दे दिया गया था। गेब्रियल का कार्य शैतान के प्रथम नाम "लूसिफर" में दर्शाया गया था, जिसका अर्थ है "प्रकाश-वाहक।" गेब्रियल ने मिलर तक भविष्यवाणी का प्रकाश पहुँचाया, और उस प्रकाश के प्रति आज्ञाकारिता में उसने वह संदेश प्रस्तुत किया जिसने 22 अक्टूबर, 1844 को अन्वेषणात्मक न्याय के उद्घाटन की घोषणा की।

पश्चदृष्टि उन लोगों की सहायता करती है जो विलियम मिलर के कार्य को समझना चाहते हैं, यह पहचानने में कि उन्हें भविष्यवाणी के वचन के विषय में कुछ ऐसी अंतर्दृष्टियाँ दी गई थीं जो आसन्न न्याय का संदेश संकलित करने के उनके कार्य की कुंजियाँ बन गईं। उन कुंजियों में से एक यह थी कि भविष्यवाणी के प्रयोग में एक दिन एक वर्ष का प्रतिनिधित्व करता है। दूसरी एक भविष्यवाणी की संरचना थी, जिसका उपयोग उन्होंने अपनी खोजी हुई भविष्यवाणी की रेखाओं को स्थापित करने और संरेखित करने के लिए किया। वह संरचना उन दो शैतानी शक्तियों पर आधारित थी जिन्होंने परमेश्वर की प्रजा और परमेश्वर के पवित्रस्थान पर उजाड़ लाई। मिलर की सारी खोजों को उसी भविष्यवाणी की संरचना पर रखा गया था, जो मूर्तिपूजकता और उसके बाद पापाई सत्ता के इतिहास का प्रतिनिधित्व करती थी—जिन्होंने क्रमशः प्राचीन इस्राएल के समय से लेकर मसीह के दूसरे आगमन तक परमेश्वर के पवित्रस्थान और परमेश्वर की प्रजा, दोनों को पाँव तले रौंदा।

उस भविष्यसूचक संरचना ने उसे 22 अक्टूबर, 1844 को न्याय के उद्घाटन के रूप में स्थापित करने के लिए आवश्यक हर सत्य को ठीक-ठीक पहचानने में सक्षम बनाया। लेकिन वह सत्य सीमित था, क्योंकि वह भविष्यसूचक इतिहास में पैगनवाद और पोपवाद के बाद आने वाली तीसरी उत्पीड़क शक्ति को नहीं देख सका। उसके लिए उस सत्य को देखना आवश्यक नहीं था, क्योंकि उसका कार्य 22 अक्टूबर, 1844 की घोषणा करना था, और तीसरी

उत्पीड़क शक्ति का प्रकाश उस तारीख के बाद प्रकट होगा।

मूर्तिपूजक रोम की, और उसके बाद पापाई रोम की, दो उजाड़ देने वाली शक्तियों की संरचना पर अपनी भविष्यसूचक समझ को संरेखित करने के संबंध में, मिलर का यह समझना भी था कि दानिएल की पुस्तक में "the daily" के रूप में अनूदित शब्द, मूर्तिपूजा और/या मूर्तिपूजक रोम का प्रतीक था। "the daily" के रूप में अनूदित "tamid" शब्द का प्रयोग दानिएल ने पाँच बार किया है। यह सदैव उस प्रतीक के साथ प्रयुक्त होता है जिसे मिलर ने सही रूप से पापत्व का प्रतिनिधित्व करने वाला समझा था। "the daily" के साथ जो पापाई सत्ता का प्रतीक सदा आता है, वह दो प्रतीकों द्वारा दर्शाया गया है। दोनों ही स्थितियों में, पापाई शक्ति के वे दोनों प्रतीक पापत्व की ही पहचान कराते हैं; फिर भी, जब दानिएल ने "the daily" के रूप में अनूदित "tamid" शब्द का प्रयोग किया, तो वह सदैव पापाई प्रतीक के साथ और उससे पहले प्रयुक्त हुआ। दानिएल की पुस्तक के "the daily" के विषय में मिलर की यह समझ, उस संरचना की नींव बन गई जिसे उसने दो उजाड़ देने वाली शक्तियों—पहले मूर्तिपूजा, उसके बाद पापत्व—पर आधारित देखा। दानिएल की पुस्तक में "the daily" की पहचान मूर्तिपूजा के रूप में करने वाली मिलर की व्याख्या, एडवेंटिज़्म के भीतर एक बड़े विवाद का कारण बनने के लिए नियत थी, जो एडवेंटिज़्म की दूसरी पीढ़ी में, जो 1888 में शुरू हुई, प्रारंभ हुआ।

22 अक्टूबर, 1844 से संबंधित समझ का एक घटक जो मिलर ने खोजी पहली भविष्यसूचक सच्चाई थी, वह लैव्यव्यवस्था अध्याय छब्बीस का "सात समय" था, और वही मिलर की स्थापित सच्चाइयों में पहली थी जिसे 1863 में अस्वीकार कर दिया गया। उस अस्वीकार ने एडवेंटिज़्म की पहली पीढ़ी की शुरुआत की, जब वे लाओदिकिया की मरुभूमि में भटकने लगे। दूसरी पीढ़ी 1888 में मिनियापोलिस जनरल कॉन्फ्रेंस में शुरू हुई, और वहाँ हुई बगावत के बाद, 1901 में "the daily" को मूर्तिपूजा के रूप में मिलर की पहचान को अस्वीकार करने का शैतानी कार्य शुरू हुआ। "the daily" की सही समझ को भविष्यवक्त्री की मृत्यु के बाद तक पूरी तरह एक ओर नहीं रखा गया, जिसने यह पहचाना था कि मिलर की "the daily" की सही समझ के विरोध में जो मत बढ़ावा दिया जा रहा था, वह "स्वर्ग से निकाले गए स्वर्गदूतों" द्वारा दिया गया था। पूर्ण अस्वीकार लगभग 1931 में तीसरी पीढ़ी के दौरान हुआ। तीसरी पीढ़ी की शुरुआत 1919 बाइबल कॉन्फ्रेंस के तुरंत बाद डब्ल्यू. डब्ल्यू. प्रेस्कॉट की पुस्तक "The Doctrine of Christ" के प्रकाशन से हुई थी। 1919 में तीसरी पीढ़ी शुरू हुई और 1957 में "Questions on Doctrine" पुस्तक के प्रकाशन तक जारी रही।

मिलर के कार्य के स्थापित हो जाने और हबककूक की दो पट्टिकाओं (1843 और 1850 के अग्रणी चार्ट) पर उसे स्पष्ट रूप से प्रस्तुत कर दिए जाने के बाद, तब प्रभु ने यह सत्य प्रकट करना प्रारंभ किया कि पैगनवाद और पापसी के पश्चात एक और, तीसरी, उजाड़ करने वाली शक्ति आएगी, जो परमेश्वर के लोगों को भी सताएगी।

मूर्तिपूजा के माध्यम से, और फिर पापसी के माध्यम से, शैतान ने अनेक शताब्दियों तक अपनी शक्ति का प्रयोग किया ताकि पृथ्वी से परमेश्वर के विश्वासयोग्य साक्षियों को मिटा दे। मूर्तिपूजक और पोपवादी उसी अजगर की आत्मा से प्रेरित थे। उनमें भेद केवल इतना था कि पापसी, परमेश्वर की सेवा का दिखावा करते हुए, अधिक खतरनाक और निर्दयी शत्रु थी। रोमनवाद के माध्यम से शैतान ने संसार को बंदी बना लिया। परमेश्वर की कहलाने वाली कलीसिया इस भ्रम की पातियों में बहा दी गई, और हजार से भी अधिक वर्षों तक परमेश्वर की प्रजा अजगर के क्रोध के अधीन दुःख उठाती रही। और जब पापसी, अपनी शक्ति से वंचित होकर, सतावट से बाज आने के लिए विवश हुई, तो यूहन्ना ने एक नई शक्ति को उभरते देखा, जो अजगर की आवाज़ की प्रतिध्वनि करे और उसी निर्दयी तथा ईशनिन्दात्मक कार्य को आगे बढ़ाए। यह शक्ति, जो कलीसिया और परमेश्वर की व्यवस्था के विरुद्ध युद्ध करने वाली अंतिम शक्ति है, मेमने जैसे सींगों वाले एक पशु द्वारा प्रतीकित की गई थी। इससे पहले के पशु समुद्र से उठे थे, परन्तु यह पृथ्वी से उभरा, जो उस राष्ट्र के शांतिपूर्ण उदय का प्रतिनिधित्व करता है जिसका यह प्रतीक है। 'मेमने के समान दो सींग' संयुक्त राज्य सरकार के चरित्र का अच्छा प्रतिनिधित्व करते हैं, जैसा कि उसके दो मूलभूत सिद्धांतों—प्रजासत्ताकवाद और प्रोटेस्टेंटवाद—में व्यक्त है। ये सिद्धांत एक राष्ट्र के रूप में हमारी शक्ति और समृद्धि का रहस्य हैं। जिन्होंने सबसे पहले अमेरिका के तटों पर शरण पाई, वे इस पर

आनन्दित हुए कि वे पापसी के अहंकारी दावों और राजशाही के अत्याचार से मुक्त देश में पहुँच गए थे। उन्होंने नागरिक और धार्मिक स्वतंत्रता की व्यापक नींव पर एक शासन स्थापित करने का निश्चय किया। साइन्स ऑफ द टाइम्स, 1 नवम्बर, 1899.

मिलर तीसरी उत्पीड़क शक्ति को पहचान नहीं सके, और इसी कारण उनका ढाँचा अपूर्ण था, यद्यपि अपना कार्य पूरा करने के लिए वह पूरी तरह उपयुक्त था। बहन व्हाइट बताती हैं कि मिलर परमेश्वर के चुने हुए दूत थे; उनके कार्य में वे एलिय्याह और यूहन्ना बपतिस्मा देनेवाले के प्रतिरूप थे, अपने कार्य के लिए बुलाहट में एलीशा के प्रतिरूप, और अपनी मृत्यु में मूसा के प्रतिरूप। पवित्र इतिहास में बहुत कम व्यक्तियों के बारे में ऐसी प्रेरित टीका मिलती है जो यह बताती है कि स्वर्गदूत उनके पुनरुत्थान के लिए कब्र के पास प्रतीक्षा कर रहे हैं, परन्तु मिलर के विषय में यही टीका है। यह तथ्य कि जिस इतिहास में उन्हें उठाया गया, उसी ने उनके कार्य की सीमाएँ निर्धारित कीं, मिलर के बारे में कोई निंदात्मक कथन नहीं है; बल्कि यह एक आवश्यक स्वीकार है, यदि उनके कार्य को परमेश्वर के भविष्यद्वाणी वचन के सच्चे प्रकाश में माना जाना है।

मिलर को स्वर्गदूत का विशिष्ट मार्गदर्शन मिला, जिसने उन्हें एक भविष्यसूचक ढाँचा निर्मित करने में सक्षम बनाया, जो मूर्तिपूजा और उसके बाद के पोपवाद की, उजाड़ लाने वाली दो शक्तियों पर आधारित था। इसी कारण, वे भविष्यवाणियाँ जो उन दोनों शक्तियों द्वारा किए गए उजाड़ से आगे के इतिहास की पहचान करती थीं, मिलर द्वारा गलत समझी गईं। फिर भी, उन गलतफहमियों में से कोई भी हबकूक की दो पवित्र पट्टिकाओं पर नहीं पहुँची, जहाँ मिलर के कार्य द्वारा स्थापित किए गए आधारभूत सिद्धांतों को चित्रात्मक रूप से दर्शाया गया था। इसी वजह से प्रेरणा 1843 के चार्ट के विषय में यह लिख सकी कि वह प्रभु के हाथ से निर्देशित था।

प्रभु ने मुझे दिखाया कि 1843 का चार्ट उसके हाथ से निर्देशित था, और उसका कोई भी भाग बदला नहीं जाना चाहिए; संख्याएँ वैसी ही थीं जैसी वह चाहता था। उसका हाथ उस पर था और उसने कुछ संख्याओं में एक गलती को छिपा रखा था, ताकि जब तक उसका हाथ हटाया नहीं गया, कोई उसे देख न सके।

"तब मैंने 'Daily' के संबंध में देखा कि 'sacrifice' शब्द मनुष्य की बुद्धि से जोड़ा गया था और मूल पाठ का हिस्सा नहीं है; और यह कि प्रभु ने उसकी सही समझ उन लोगों को दी जिन्होंने न्याय के समय की पुकार दी। जब 1844 से पहले एकता विद्यमान थी, तो लगभग सभी 'Daily' की सही समझ पर एकमत थे; परन्तु 1844 के बाद, भ्रम के बीच अन्य विचारों को स्वीकार कर लिया गया है, और परिणामस्वरूप अंधकार और भ्रम छा गया है।" रिव्यू एंड हेराल्ड, 1 नवंबर, 1850.

स्वर्गदूतों के निर्देशन में मिलर द्वारा संकलित सत्य प्रभु द्वारा ही निर्देशित थे, और 1843 के चार्ट की स्वीकृति में यह दैवी प्रेरणा भी शामिल थी कि "the daily" को मूर्तिपूजकता मानना मिलर की सही समझ थी। हिब्रू शब्द "tamid", जिसका अनुवाद "the daily" किया गया है, दानिय्येल की पुस्तक में पाँच बार आता है, और वह हमेशा उन दो उजाड़ने वाली शक्तियों—पहले मूर्तिपूजकता, फिर पोपवाद—के बीच के संबंध का प्रतिनिधित्व करता है।

बहुदेववाद के प्रतीक के रूप में "the daily" के बारे में मिलर की समझ उसके द्वारा अपनाए गए भविष्यवाणी संबंधी ढाँचे में पूर्णतः अनिवार्य थी, क्योंकि बहुदेववाद के बाद पोपवाद आने का क्रमिक संबंध उन सभी भविष्यवाणियों को संरक्षित करने में उसका संदर्भ-बिंदु बन गया, जिन्हें समझने की ओर उसका मार्गदर्शन किया गया।

"अंत के समय", 1798 में, दानिय्येल की पुस्तक की मुहर खोली गई, और वह मुख्य अंश जिसे सिस्टर वाइट ने एडवेंट आंदोलन का "केंद्रीय स्तंभ" और "नींव" बताया, दानिय्येल अध्याय आठ का चौदहवाँ पद था।

"वह पवित्रशास्त्रीय वचन, जो अन्य सब से बढ़कर एडवेंट विश्वास की नींव और उसका केंद्रीय स्तंभ दोनों रहा था, यह घोषणा थी, 'दो हज़ार तीन सौ दिनों तक; तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा।' [दानिय्येल 8:14.]" द ग्रेट

कॉन्ट्रोवर्सी, 409.

चौदहवाँ पद्यांश तेरहवें पद्यांश का उत्तर है, और प्रश्न के संदर्भ के बिना वह उत्तर निरर्थक हो जाता है।

तब मैंने एक पवित्र जन को बोलते हुए सुना, और एक अन्य पवित्र जन ने उस विशेष पवित्र जन से, जो बोल रहा था, कहा, “नित्य बलिदान, और उजाड़ डालने वाले अपराध के विषय में यह दर्शन कब तक रहेगा, कि पवित्रस्थान और सेना दोनों पैरों तले रौंदे जाएँ?” और उसने मुझसे कहा, “दो हजार तीन सौ दिनों तक; तब पवित्रस्थान शुद्ध किया जाएगा।” दानियेल 8:13, 14

ये दो पद 1798 में ‘अंत के समय’ पर दानियेल की पुस्तक की मुहर खुलने पर उत्पन्न हुई ज्ञान की वृद्धि का प्रतीक हैं। पद तेरह उन दो उजाड़ करने वाली शक्तियों की पहचान कराता है, जिन पर मिलर ने अपना भविष्यवाणी का प्रतिमान बनाया था। मिलर ने पद तेरह में ‘दैनिक’ को मूर्तिपूजा के रूप में, और ‘उजाड़ का अपराध’ को पोपवाद के रूप में पहचाना। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि स्वर्गदूतों ने मिलर को जिसे पहचानने के लिए मार्गदर्शन दिया, वह भविष्यवाणी का प्रतिमान उन्हीं दो पदों में चिन्हित है जो 1798 में इतिहास में आई ज्ञान की वृद्धि का प्रतिनिधित्व करते हैं। फिर भी मिलर को वह अगली शक्ति नहीं दिखाई गई जो भविष्यवाणी के मंच पर आने वाली थी और परमेश्वर के लोगों को सताने वाली थी।

मैंने देखा कि दो सींगों वाले पशु का ड्रैगन जैसा मुँह था, और उसकी शक्ति उसके सिर में थी, और कि फ़रमान उसके मुँह से निकलेगा। तब मैंने व्यभिचारिणियों की माता को देखा; कि माता पुत्रियाँ नहीं थी, बल्कि उनसे अलग और भिन्न थी। उसका दिन आ चुका है, और वह बीत चुका है, और उसकी पुत्रियाँ, प्रोटेस्टेंट संप्रदाय, अगली थीं कि वे मंच पर आएँ और वहीं मनोवृत्ति प्रकट करें जो माता की थी जब उसने संतों को सताया था। मैंने देखा कि जैसे-जैसे माता की शक्ति घटती गई है, पुत्रियाँ बढ़ती गई हैं, और शीघ्र ही वे वही शक्ति प्रयोग करेंगी जो कभी माता ने प्रयोग की थी। Spalding and Magan, 1.

तीसरी शक्ति को न देख पाने की मिलर की असमर्थता ने उसे ऐसे निष्कर्ष निकालने पर मजबूर किया जो साफ़ तौर पर गलत थे। मिलर ने प्रकाशितवाक्य अध्याय तेरह के समुद्र से निकलने वाले पशु को मूर्तिपूजक रोम और पृथ्वी से निकलने वाले पशु को पापाई रोम के रूप में पहचाना। प्रकाशितवाक्य अध्याय सत्रह का उसका अनुप्रयोग भी इसी कमी से त्रुटिपूर्ण था—वह उस भविष्यसूचक इतिहास को नहीं देख सका जो दूसरी उजाड़नेवाली शक्ति, अर्थात् पापाइयत, से आगे तक फैला हुआ था। इसी कारण, जब मिलर ने दानियेल की भविष्यवाणी में रोमी शक्ति की पहचान की, तो उसने उसे दो चरणों में आने वाली एक ही शक्ति के रूप में माना। यह तब भी और अब भी एक सही अनुप्रयोग था, पर इसने उसे बाइबिल की भविष्यवाणी के राज्यों को रोम द्वारा दर्शाए गए चौथे राज्य से आगे तक विस्तृत समझने से रोका। उसने देखा और बताया कि चौथा राज्य, अर्थात् रोम, दो चरणों में था—मूर्तिपूजक रोम और पापाई रोम—लेकिन वह यह नहीं देख सका कि पापाई रोम स्वयं पाँचवाँ राज्य भी था, जिसके बाद छठा राज्य आना था।

दानियेल के दूसरे अध्याय में, मिलरवादियों ने बाइबिलीय भविष्यवाणी के पाँचवें राज्य के तत्वों को चौथे राज्य के साथ मिला दिया। मूल स्तर पर उनका अनुप्रयोग सही था, परन्तु अधूरा था, क्योंकि बाइबिलीय भविष्यवाणी के राज्यों का प्रथम संदर्भ, राज्यों के अंतिम संदर्भ से मेल खाना चाहिए; क्योंकि यीशु, अल्फा और ओमेगा के रूप में, हमेशा आरम्भ से ही अंत को दिखाते हैं। दो क्रमिक राज्यों के बीच भेद न देख पाने के कारण मिलर यह पहचान नहीं पाए कि प्रकाशितवाक्य का बारहवाँ अध्याय मूर्तिपूजकता (अजगर) की पहचान करता है, और प्रकाशितवाक्य के तेरहवें अध्याय का समुद्र से निकलने वाला पशु पापल सत्ता (पशु) है, तथा तेरहवें अध्याय का पृथ्वी से निकलने वाला पशु पतित प्रोटेस्टेंटवाद (झूठा नबी) है।

मिलर प्रकाशितवाक्य के अध्याय बारह और तेरह में अजगर, पशु और झूठे भविष्यद्वक्ता को तीन क्रमिक राज्यों के रूप में देखने में असमर्थ थे, और इस प्रकार उसकी भविष्यसूचक तर्क-प्रणाली ने उसे यह मानने के लिए बाध्य किया कि ये दोनों अध्याय उन तीन शक्तियों का क्रमिक चित्रण नहीं थे जो विश्व को अरमगिदोन की ओर ले जाती हैं। मिलर

को जो प्रकाश दिया गया था, वह उसकी पीढ़ी के लिए पूर्ण प्रकाश था, और उसकी पीढ़ी उसी प्रकाश द्वारा परखी गई।

तीन उजाड़ने वाली शक्तियों (ड्रैगन, पशु और झूठा नबी) का प्रकाश 1989 में 'अंत के समय' में फ्यूचर फॉर अमेरिका को दिया गया था। दानिय्येल का वह खंड, जिसकी मुहर सोवियत संघ के पतन के साथ, दानिय्येल अध्याय ग्यारह और पद चालीस की पूर्ति में, खोली गई थी, तीसरे स्वर्गदूत का प्रकाश था, जबकि मिलर को पहले स्वर्गदूत का प्रकाश दिया गया था। दानिय्येल अध्याय ग्यारह के अंतिम छह पदों को फ्यूचर फॉर अमेरिका आंदोलन की नींव और केंद्रीय स्तंभ माना गया, और दानिय्येल अध्याय ग्यारह का पद चालीस उस प्रकाश का सार प्रस्तुत करता है, जैसे दानिय्येल अध्याय आठ के पद तेरह और चौदह ने मिलराइट आंदोलन में उस प्रकाश का सार प्रस्तुत किया था जिसकी मुहर खोली गई थी।

और अन्त के समय दक्षिण का राजा उस पर आक्रमण करेगा; और उत्तर का राजा रथों, घुड़सवारों और बहुत से जहाज़ों के साथ बवंडर के समान उस पर चढ़ आएगा; वह देशों में प्रवेश करेगा, और उन्हें बहा देता हुआ आगे बढ़कर पार निकल जाएगा। दानिय्येल 11:40.

यह पद 1798 में "अंतकाल" के समय, दक्षिण के राजा और उत्तर के राजा के बीच आरंभ हुए एक युद्ध की पहचान करता है। दक्षिण का राजा नास्तिक फ्रांस का प्रतिनिधित्व करता था, जिसने उसी वर्ष पोप सत्ता को घातक घाव पहुँचाया था। वहाँ पोप सत्ता को उत्तर के राजा के रूप में प्रस्तुत किया गया है। 1798 में, भविष्यवाणी के अनुसार, फ्रांस दानिय्येल अध्याय सात के दस राज्यों में से एक था। वे दस राज्य मूर्तिपूजक रोम का प्रतिनिधित्व करते हैं, और मूर्तिपूजक रोम अजगर का प्रतिनिधित्व करता है। पोप सत्ता (उत्तर का राजा) पशु का प्रतिनिधित्व करती है। यह पद यह दर्शाता है कि उत्तर का राजा (पोप सत्ता), जिसे पद की शुरुआत में घातक घाव दिया गया था, अंततः दक्षिण के राजा (नास्तिकता के राजा) के विरुद्ध पलटवार करेगा। जब पोप सत्ता ने पलटवार किया, तब नास्तिकता का राजा फ्रांस के राष्ट्र से सोवियत संघ के परिसंघ में स्थानांतरित हो चुका था। फ्रांस एक राष्ट्र था, फिर भी जब उस पद में पोप सत्ता ने दक्षिण के राजा के विरुद्ध पलटवार किया, तो दक्षिण के राजा को "देशों" के रूप में पहचाना गया, जैसा कि पूर्व सोवियत संघ था।

जब उत्तर का राजा (पोपाई सत्ता) ने पलटवार किया, तो वह अपने साथ "रथ", "घुड़सवार" और "बहुत-से जहाज़" लेकर आया। रथ और घुड़सवार सैन्य शक्ति के प्रतीक हैं, और जहाज़ आर्थिक शक्ति के प्रतीक हैं। वह शक्ति जिसने सोवियत संघ को गिराने के उद्देश्य से पोपाई सत्ता के साथ एक अपवित्र गठबंधन बनाया, वह संयुक्त राज्य अमेरिका था, और प्रकाशितवाक्य अध्याय तेरह में संयुक्त राज्य अमेरिका की दो शक्तियाँ—सैन्य शक्ति और आर्थिक शक्ति—को इस रूप में पहचाना गया है कि उनके द्वारा वह दुनिया को पापाई अधिकार का चिह्न स्वीकार करने के लिए विवश कर देता है। चिह्न के बिना लोगों को खरीदने या बेचने से रोका जाएगा, और आगे चलकर, उसी चिह्न के बिना लोगों को मार दिया जाएगा।

पद चालीस सीधे तौर पर अजगर (दक्षिण का राजा), पशु (पापाई सत्ता) और झूठे भविष्यद्वक्ता (संयुक्त राज्य) की पहचान करता है। 1989 में "अंत का समय" के लिए आधारभूत पद संसार को आर्मगेडन तक ले जाने वाली तीन उजाड़ करने वाली शक्तियों की पहचान करता है, ठीक उसी प्रकार जैसे मिलेराइट आंदोलन के आधारभूत पदों ने मूर्तिपूजा के बाद पापाईवाद की दो उजाड़ करने वाली शक्तियों की पहचान की थी।

यह पद दक्षिण के राजा और उत्तर के राजा के बीच एक युद्ध से आरंभ होता है। पद की शुरुआत (1798) में दक्षिण का राजा प्रबल होता है, परंतु पद में आगे उत्तर का राजा पलटवार करता है और दक्षिण के राजा पर विजय प्राप्त करता है। पद की शुरुआत उत्तर के राजा और दक्षिण के राजा के बीच युद्ध को चिह्नित करती है, और पद में निहित संदेश के अंत में भी उन्हीं उत्तरी और दक्षिणी राजाओं के बीच वही युद्ध दर्शाया गया है, परंतु परिणाम विपरीत हैं। शुरुआत 1798 में "अंत के समय" को चिह्नित करती है, और अंतिम युद्ध 1989 में "अंत के समय" को चिह्नित करता है। यह पद अपनी लिखित साक्ष्य के भीतर "अल्फा और ओमेगा", आरंभ और अंत, की मुहर समाहित करता

है।

उस पद का वास्तविक इतिहास 1989 में सोवियत संघ के पतन के बाद भी आगे जारी रहता है और पद इकतालीस के रविवार के कानून तक पहुँचता है। रविवार के कानून के समय आधुनिक बाबुल का त्रि-गठबंधन तीव्र घटनाओं की एक श्रृंखला के माध्यम से स्थापित हो जाता है। इसलिए पद चालीस की शुरुआत 1798 में तब होती है जब घातक घाव लगाया जाता है, और टायर की वेश्या भुला दी जाती है। पद द्वारा निरूपित इतिहास पूर्णतः पद इकतालीस के रविवार के कानून पर समाप्त हो जाता है, जहाँ वह घातक घाव भर जाता है और टायर की वेश्या को याद किया जाता है। आरंभ और अंत की छाप केवल उस पद में मिले पाठ पर ही नहीं, बल्कि उस पद द्वारा निरूपित पूरे इतिहास पर भी अंकित है। यह पद उस भविष्यवाणी के ढांचे की पहचान करता है, जो केवल मूर्तिपूजा (अजगर) और पोपतंत्र (पशु) पर आधारित न होकर, उन तीन उजाड़ने वाली शक्तियों की संरचना की पहचान करता है जो संसार को हरमगिदोन तक ले जाती हैं।

मिलर के भविष्यवाणी ढांचे ने परमेश्वर के जांच-पड़ताल के न्याय के आगमन की घोषणा की, और Future for America का भविष्यवाणी ढांचा परमेश्वर के कार्यकारी न्याय के आगमन की घोषणा करता है। 1989 में, "अंत के समय" पर, जब सोवियत संघ के पतन के साथ दानिय्येल ग्यारह के अंतिम छह पद उद्धाटित हुए, तब परीक्षण और शुद्धिकरण की तीन-चरणीय प्रक्रिया शुरू हुई। मिलर का केवल मूर्तिपूजा और पोपवाद को देखना, और धर्मत्यागी प्रोटेस्टेंटवाद को न देख पाना—इस भेद को समझना 1798 में उद्धाटित हुए उलाई नदी के दर्शन को ठीक से समझने के लिए आवश्यक है।

हम उस विवेचना को अगले लेख में जारी रखेंगे।

हमारे पास समय बर्बाद करने का वक्त नहीं है। उथल-पुथल भरे समय हमारे सामने हैं। दुनिया युद्ध की भावना से उद्वेलित है। शीघ्र ही भविष्यवाणियों में जिन संकटों का वर्णन किया गया है, वे घटित होंगे। दानिय्येल के ग्यारहवें अध्याय की भविष्यवाणी लगभग अपनी पूर्ण पूर्ति तक पहुँच चुकी है। इस भविष्यवाणी की पूर्ति में जो इतिहास घटित हुआ है, उसका बहुत कुछ फिर से दोहराया जाएगा।

तीसवें पद में एक शक्ति के बारे में कहा गया है कि 'पद 30 से छत्तीस तक उद्धृत।'

"इन शब्दों में वर्णित जैसे दृश्य घटित होंगे।" Manuscript Releases, संख्या 13, 394.